

લેહ મેં હિંદા

बुधवार को केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हिंसा भड़क गई। जिसमें चार लोगों की मौत होने वे 70 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। प्रदेशनकारी छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थक बताए जाते हैं। सोनम वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की जबाबर मांग करते रहे हैं। अभी भी वह अपनी हिंसा मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से भूख हड्डताल पर बैठे थे। मांग पूरी न करने के विरोध में प्रदेशनकारियों ने बड़े बुलाया था। इसों दौरान हिंसा हो गई। बड़े पैमाने पर हिंसा होते देखा गया तो अनशन तोड़ दिया और अपने समर्थक छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की। किसी माले की अद्वेषी या उसके लकाए रखने की प्रवृत्ति कितनी धातव हो सकती है, इसका जीता जागत सबूत लद्दाख के लोह में देखने को मिला। प्रदेशनकारियों ने जमकर पथरबाजी पुलिस पर की ओर सीआरपीएफ की गाड़ी तक को आग लगा दी। आदालनकारियों ने मंगलवार की रात को 24 सितम्बर को लद्दाख बंद बुलाया का एलान किया था और भीड़ जूटान के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया, जिसमें लोगों से लेह तक काठांसि पहुंचने की ओरी गई थी। इस अपील का बड़ा असर हुआ और बड़ी तादाद में लोग वहां पहुंच गए, जिनमें अधिकतर छात्र बताए जाते हैं। पुलिस ने आदालनकारियों को रोकने के लिए बैरिकें लगाए थे, जब भीड़ ने उनको तोड़ा तो पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले छाड़, जवाब में भीड़ ने गाड़ी जला दी और तोड़फोड़ की। सोनम वांगचुक का कहाना है कि वह पिछले पांच सालों से शांति अनशन के माध्यम से अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाइ नहीं हो रही है। देखा जाए तो इसके एके केंद्र सरकार अधिक जिम्मेदार दिखाई दे रही है, क्योंकि जब 2015 में अनुच्छेद 370 और 351 हटाते समय जम्पू कश्मीर और लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बना दिए थे, तब सरकार ने उस समय कहा था कि सही समय अनें पर इनका पूर्ण राज्य का बहाल कर दिया जाएगा, लेकिन अभी तक सरकार ने अपने उस बादे पर कोई अमल नहीं किया, जबकि पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए लद्दाख व जम्पू कश्मीर से बराबर मांग उठती रही है। जम्पू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी कहा है कि लद्दाख और जम्पू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाया जा रहा, क्योंकि वही जीवी चुनाव जीत नहीं पाई। जाहिर है इस तह के मुद्दों को जगजीत के नजरिये से नहीं देखा जाता है और लोगों का इच्छाओं का सम्मान करना चाहिए, जिससे लह में तोड़फोड़ व आगजीती दिखाई दी और लोगों की भीड़ जुटी यह कोई एक दिन का काम नहीं हो सकता। इससे साफ है कि लोगों को खाली बोलने के लिए जो भी जैन जी रेवोल्यूशनरी बताया जा रहा है। हालांकि सोनम ने कहा है कि मैंने जैन जी रेवोल्यूशनरी बताया जाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह वहां के लोगों की जो इच्छा है उसका सम्मान करे।

हन विकाऊ नाल नहीं है, यही काफी है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हौसला बढ़ाया, मैं उनका शुक्रगांजार हूं, अखिलेश ऐसे उत्तर ही करेंगे, जिनमें नेताजी मुझलयम सिंह यादव थे, जेल में रहने से जिंदिया बदल गई, यहां तक कि मोबाइल चलाना तक भूल गया हूं, उसमें मेरी पत्नी का नवर था, उसे भी भूल गया हूं, मेरे मन में किसी के लिए नाराजी नहीं है, जो किया जाए तो नहीं पहचानत थे, अब दर्ज कुमोदों को वजह से सब जाने लगे हैं, हमारे पास चरित्र नाम की एक चीज है, हस्का मरत बह यह नहीं कि हमारे पास कोई पद या ओहादा हो, लोग हमें प्यार करें, इन्जन दें और यह साबित हो कि हम विकाऊ माल नहीं हैं, यही काफी है।

-आजम खा
वरिष्ठ सपा नेता, पूर्व मंत्री



एक बार फिर जहर उगलने में अग्रिम स्थान बनाने की प्रतिस्पर्धा में जुटे गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद का एक बेहद विवेला, अभद्र व आपनी व्यास बुजाने के लिए इसी मंदिर परिसर के बाहर लगे नल से पानी पी लिया था। उसके बाद इस डासन मंदिर में रहने वाले एक व्यक्ति ने बालक के उसका धर्म पूछकर उसे बड़ी बेरहमी से मारा था। असिफ को पीटने वाले यह वीडियो खबर वायरल हुआ था। उस समय यति नरसिंहानंद आपिक को बालक की पिटाई जायज ठहराई थी। इस व्यक्ति के मुख्य द्वारा पर साफत और लिखान खाया है कि यहां पर हिंसा नहीं आ सकता। यहीं यति नरसिंहानंद शायद नफरत के बल पर अर्जित शोहरत पाने के बाद इसी तह तक की बकवासबाजी करने का आदी हो चुका है। अब तो यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के समर्थन में खुलासर आए थे और उस बालक की गई थी।

पिछले दिनों वायरल हुए वीडियो में बुलंद शहर में सामों बैठे कुछ महिलाओं को संबंधित करते हुए उनके बारे में रहने वाले एक व्यक्ति के लिए भी अपमान। यति नरसिंहानंद के खिलाफ कई बार कार्रवाई हो चुकी है। वह अपने विवादित बयानों की वजह से जल और बैठक के लिए भी अपमान के मुख्य द्वारा पर साफत और लिखान खाया है कि यहां पर हिंसा नहीं आ सकता। यहीं यति नरसिंहानंद शायद नफरत के बल पर अर्जित शोहरत पाने के बाद इसी तह की बकवासबाजी करने का आदी हो चुका है। अब तो यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के लिए वायरल हुआ है।

पिछले दिनों वायरल हुए वीडियो में बुलंद शहर में सामों बैठे कुछ महिलाओं को संबंधित करते हुए उनके बारे में रहने वाले एक व्यक्ति के लिए भी अपमान। यति नरसिंहानंद के खिलाफ कई बार कार्रवाई हो चुकी है। वह अपने विवादित बयानों की वजह से जल और बैठक के लिए भी अपमान के मुख्य द्वारा पर साफत और लिखान खाया है कि यहां पर हिंसा नहीं आ सकता। यहीं यति नरसिंहानंद शायद नफरत के बल पर अर्जित शोहरत पाने के बाद इसी तह की बकवासबाजी करने का आदी हो चुका है। अब तो यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के लिए वायरल हुआ है।

उसने आगे कहा कि मुस्लिम सममान के लोग हिंदू बहन, बेटियों को मॉडेलों में बेचेंगे और उनका बलाकार करने वाले बड़ा असर हुआ और बड़ी तादाद में लोग वहां पहुंच गए, जिनमें अधिकतर छात्र बताए जाते हैं। पुलिस ने आदालनकारियों को रोकने के लिए बैरिकें लगाए थे, जब भीड़ ने उनको तोड़ा तो पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले छाड़, जवाब में भीड़ ने गाड़ी जला दी और तोड़फोड़ की। सोनम वांगचुक का कहाना है कि वह पिछले पांच सालों से शांति अनशन के माध्यम से अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाइ नहीं हो रही है। देखा जाए तो इसके एके केंद्र सरकार अधिक जिम्मेदार दिखाई दे रही है, क्योंकि जब 2015 में अनुच्छेद 370 और 351 हटाते समय जम्पू कश्मीर और लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बना दिए थे, तब सरकार ने उस समय कहा था कि ज्यादा से उस जम्पू कश्मीर और लद्दाख को अधिकतर छात्र बताए जाएं। उसके बाद इसके लिए जिम्मेदार बैरिकें लगाए गए थे, जब भीड़ ने उनको तोड़ा तो पुलिस ने बल प्रयोग करने के लिए जल और बैठक के लिए वायरल हुआ है।

उसने आगे कहा कि मुस्लिम सममान के लोग हिंदू बहन, बेटियों को मॉडेलों में बेचेंगे और उनका बलाकार करने वाले बड़ा असर हुआ और बड़ी तादाद में लोग वहां पहुंच गए, जिनमें अधिकतर छात्र बताए जाते हैं। पुलिस ने आदालनकारियों को रोकने के लिए बैरिकें लगाए थे, जब भीड़ ने उनको तोड़ा तो पुलिस ने बल प्रयोग करने के लिए जल और बैठक के लिए वायरल हुआ है।

यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के लिए वायरल हुआ है। इस खोला के लिए भी अपमान नरसिंहानंद के खिलाफ कई बार कार्रवाई हो चुकी है। वह अपने विवादित बयानों की वजह से जल और बैठक के लिए भी अपमान के मुख्य द्वारा पर साफत और लिखान खाया है कि यहां पर हिंसा नहीं आ सकता। यहीं यति नरसिंहानंद शायद नफरत के बल पर अर्जित शोहरत पाने के बाद इसी तह की बकवासबाजी करने का आदी हो चुका है। अब तो यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के लिए वायरल हुआ है।

यह व्यक्ति धर्म अध्यात्म संबंधी सकारात्मक वालों के लिए वायरल हुआ है।

कहां से शह पाते हैं ऐसे जहरीले लोग



निर्मल शानी

इनप्रे प्रतिष्ठित अखाड़े ने इनप्रे जहरीले व्यक्ति को आखिर देखकी किस योग्यता के आधार पर महामंडलशर जैसे धार्मिक पद पर बरते हुए सभी मनुष्यों को एक समान बताया। उन्होंने भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर के बाल आंतरिक भावनाओं में सभी बालवर हैं। जबीर दास ने अपने इन दोहों के माध्यम से जाति विभाजन का विरोध करते हुए सभी मनुष्यों को एक समान बताया। सभी भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर के बाल आंतरिक भावनाओं में सभी भवित्व को एक समान बताया। उन्होंने भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर के बाल आंतरिक भावनाओं में सभी भवित्व को एक समान बताया। उन्होंने भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर के बाल आंतरिक भावनाओं में सभी भवित्व को एक समान बताया। उन्होंने भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर के बाल आंतरिक भावनाओं में सभी भवित्व को एक समान बताया। उन्होंने भवित्व को जातिवाद से ऊपर रखा, यह दर्शाते हुए कि ईश्वर क

